भारतीय संस्कृति में प्रत्येक दिन माता पिता को किया जाता है चरण स्पर्श-वंदना श्रीजी

श्रीमद् भागवत कथा में मना श्री कृष्ण जन्मोत्सव, नंद के घर आनंद भयो.. जय कन्हैया लाल की... की गूंज से गूंजा परिसर, सैकड़ो महिलाएं भजनों पर थिरकी

इंदौर। प्रत्येक मनुष्य में परमात्मा का वास होता है,भारतीय संस्कृति में प्रत्येक दिन माता पिता को चरण स्पर्श किया जाता है,संस्कृति का पालन जरूर करना चाहिए,प्रत्येक दिन मित्राचार है,हर दिन तुलसी पूजन करना चाहिए, जो जीवन में धर्म संस्कृति से कट जाता है उसका कभी कल्याण नहीं होता है, अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें,उन्हे संस्कारित करें, सत्संग में अपने बच्चों को जरूर लेकर जाएं, जो अपने कुल,शास्त्रों से दूर हो रहे उन्हे इन सभी की जानकारी होना ही चाहिए,भगवान के दर्शन करने मात्र से ही मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है,दिव्य संदेशों को जीवन में अवश्य धारण करना चाहिए,जो व्यक्ति मन माना आचरण करता है उसका जीवन अंधकार हो जाता है,उसके दुष्परिणाम भुगतना पड़ते है,हर मनुष्य को सबसे अच्छा व्यवहार करना चाहिए किसी से भी दुर्व्यवहार नही करना चाहिए,सोच समझकर वाणी का प्रयोग करना चाहिए,शब्द ही पीड़ा है शब्द ही खुशी देने वाला है। यह बाते ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के चौथे दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरआत करना चाहिए।

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रभु श्री कृष्ण के जयघोष के साथ हाथी घोड़ा पालकी... जय कन्हैया लाल की... नंद के घर आनंद भयो...जय कन्हैया लाल की.. की गूंज से पूरा परिसर गूंज उठा। माता यशोदा और नंद बाबा के भेष में मंच पर प्रभु बाल गोपाल को देख श्रद्धालु आनंदित हो उठे, सैकड़ों महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया, जन्मोत्सव में पारंपरिक परिधान में भक्त शामिल हुए, सभी भक्तों ने कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लिया। कथा में सैकड़ों भक्तों का जनसैलाब उमड़ रहा है। प्रभु को तिलक करके माखन मिश्री का भोग लगाया। प्रतिदिन भक्तो को भोजन प्रसादी का वितरण किया जा रहा है इसमें रोज अलग अलग व्यंजन बनाएं जा रहे है चलित व्यवस्था के तहत सैकड़ों भक्त व्यवस्थित लाइन में लगकर महाप्रसादी ले रहे है श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। कथा में वंदना श्री जी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा में भगवान की लीलाओं का कलाकारो ने मनमोहक नाट्य मंचन भी किया। व्यासपीठ का पूजन अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, आईडीए उपाध्यक्ष गोलू शुक्ला,गणेश गोयल,राज दीक्षित, सरोज चौहान, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल ,राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद्भागवत महापुराण कथा 17 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 7-00 बजे से रात्रि 11-00 बजे तक वंदना श्रीजी के मुखारविंद से आनंदम क्लब एंड रिजॉर्ट रसोमा चौराहा पर होगी।